दुखियारा दुखड़ा मेटे बाबो नीले रो असवार लिरिक्स

रुणिचा में रामदेव जी रो,
खूब सज्यो दरबार,
दुखियारा दुखड़ा मेटे,
बाबो नीले रो असवार।bd।

पैदलियां में नैना मोटा,
आवे है नर नार,
नाचे कूदे सगला बोले,
थारी जय जयकार,
आण पड़यो थारे द्वार,
मारी सुण जो थे पुकार,
दुखियारा दुखड़ा मेटै,
बाबो नीले रो असवार।bd।

भादवा में मेलो भरीजै,
भीड़ घणी थारे द्वार,
सच्चे मन सूं आवै वीरा,
होजै बेड़ा पार,
घणी दूर सूं चालयो थारे,
पैदल आवै द्वार,
कलयुग रा थे हो अवतारी,
लीला अपरंपार,
दुखियारा दुखड़ा मेटै,
बाबो नीले रो असवार।bd।

कूं कूं रा थे पगला मांड्या,
रुणिचा में आण,
भैरुंड़ा ने मार मुकायो,
विष्णु रा अवतार,
हंसराज और अमन सोलंकी,
आवे थारे द्वार,
विक्की और अरमान स्टूडियो,
सागै अबकी बार,
नंदू सोलंकी आयो,
अबकी कर दो बेड़ा पार,
दुखियारा दुखड़ा मेटै,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

बाबो नीले रो असवार।bd।

रुणिचा में रामदेव जी रो,
खूब सज्यो दरबार,
दुखियारा दुखड़ा मेटे,
बाबो नीले रो असवार।bd।

गायक / प्रेषक – नन्दू सोलंकी।
9828281232

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com